भारतीयदर्शनम्/ भारतीयदर्शन

(347)

शिक्षक-अंकितमूल्यांकन–पत्रम्/
शिक्षक-अंकितमूल्यांकन–पत्र

पूर्णांका:/ पूर्णांक – 20

निर्देशा: (i) **सर्वे प्रश्ना: अनिवार्या:। प्रश्नानुसारम् अङ्का: समक्षे निर्देशिता:।**

(ii) **उत्तरपुस्तिकाया: प्रथमपृष्ठे स्वनाम, अनुक्रमांकसंख्या, शिक्षणकेन्द्रस्य नाम इति सर्वं लेखनीयम्।**

निर्देश : (i) **सभी प्रश्न अनिवार्य हैं। प्रश्नों के अनुसार अंक सामने दिए गए हैं।**

(ii) **उत्तर पुस्तिका के प्रथम पृष्ठ पर अपना नाम, अनुक्रमांक संख्या, अध्ययन केंद्र का नाम लिखिए।**

1. कस्यचिदेकस्य प्रश्नस्य उत्तरं 40-60 शब्देषु लिखत- **2**

(क) सांख्यमते पुरुषस्य स्वरूपं लिखत। (दृष्टव्य-1)

(ख) सांख्यदर्शनस्य आचार्याणां ग्रन्थानां च विषये लिखत। (दृष्टव्य-1)

किसी एक प्रश्न का उत्तर 40-60 शब्दों में लिखिए-

(क) सांख्य दर्शन के मत में पुरुष के स्वरूप को लिखिए। (देखें पाठ-1)

(ख) सांख्य दर्शन के आचार्यों के ग्रंथों के विषय में लिखिए। (देखें पाठ-1)

2. कस्यचिदेकस्य प्रश्नस्य उत्तरं 40-60 शब्देषु लिखत- **2**

(क) सांख्यमते गुणत्रयस्वरूपं प्रतिपाद्यताम्। (दृष्टव्य-2)

(ख) प्रकृतेः प्रवृत्तिः किमर्था इति विचार्यताम्। (दृष्टव्य-2)

किसी एक प्रश्न का उत्तर 40-60 शब्दों में लिखिए-

(क) सांख्य दर्शन में गुणत्रय के स्वरूप को प्रतिपादित कीजिए। (देखें पाठ-2)

(ख) प्रकृति की प्रवृति पर विचार कीजिए। (देखें पाठ-2)

3. **कस्यचिदेकस्य प्रश्नस्य उत्तरं 40-60 शब्देषु लिखत-** **2**

(क) अद्वैतवेदान्तमते प्रत्यक्षप्रमाणं विषये टिप्पणी लिखत। (दृष्टव्य-5)

(ख) गौणमुख्यभेदेन पुरुषार्थान् लिखत। (दृष्टव्य-5)

किसी एक प्रश्न का उत्तर 40-60 शब्दों में लिखिए-

(क) अद्वैतवेदान्त के मत में प्रत्यक्ष प्रमाण पर एक टिप्पणी लिखिए। (देखें पाठ-5)

(ख) गौण और मुख्य भेद से पुरुषार्थ को बताइए। (देखें पाठ-5)

4. **कस्यचिदेकस्य प्रश्नस्य उत्तरं 100-150 शब्देषु लिखत-** **4**

(क) प्रत्यक्षशब्दस्य प्रयोगः कतिषु केषु च अर्थेषु क्रियते। (दृष्टव्य-6

(ख) वेदान्तमते प्रमाभेदान् विवेच्यताम्। (दृष्टव्य-6)

किसी एक प्रश्न का उत्तर 100-150 शब्दों में लिखिए-

(क) प्रत्यक्ष शब्द के कितने और कौनसे अर्थों में प्रयोग करते हैं। (देखें पाठ-6)

(ख) वेदान्त के मत में प्रमा के भेदों की विवेचना कीजिए। (देखें पाठ-6)

5. कस्यचिदेकस्य प्रश्नस्य उत्तरं 100-150 शब्देषु लिखत- **4**

(क) निर्गुणब्रह्मस्वरूपं विषये विवेच्यताम्। (दृष्टव्य-11)

(ख) मायायाः अनादित्वस्य भावरूपत्वस्य ज्ञाननिवर्त्यत्वस्य च विषये व्याख्यायताम्।

(दृष्टव्य-12)

किसी एक प्रश्न का उत्तर 100-150 शब्दों में लिखिए-

(क) निर्गुण ब्रह्म के स्वरूप की विवेचना कीजिए। (देखें पाठ-11)

(ख) माया का अनादित्व, भावरूपत्व और ज्ञाननिवर्त्यत्व की व्याख्या कीजिए।

(देखें पाठ-12)

6. **अधोलिखितेषु कमपि एकं विषयमधिकृत्य परियोजना-विवरणं लिखत।** **6**

(क) ब्रह्मणः स्वरूपलक्षणम् अधिकृत्य विस्तरेण व्याख्यायताम्। (दृष्टव्य-11)

(ख) मायाया त्रिगुणात्मकत्वम् अनिर्वचनीयत्वञ्च इति विषये विवेच्यताम्।

(दृष्टव्य-12)

नीचे दिए गए किसी एक विषय पर परियोजना रूप में विवरण दीजिए-

(क) ब्रह्म के स्वरूप लक्षण की विस्तारपूर्वक व्याख्या कीजिए। (देखें पाठ-**11**)

(ख) माया के त्रिगुणात्मकत्व और अनिर्वचनीयत्व की विस्तार से विवेचना कीजिए।

(देखें पाठ-**1**2)